अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (कोई चार प्रश्न का उत्तर दें)

(क) बीकानेर तथा बीदासर किसने बसाया?

(ख) बालक मघराज की दीक्षा किसके द्वारा और कब हुई?

(ग) मुनि पन्नालालजी द्वारा सारस्वत व्याकरण के श्लोक का अपनी कल्पनानुसार अर्थ करने पर मघवागणी ने उन्हें क्या दण्ड दिया?

(घ) मघवागणी की गद्यात्मक गति का क्या नाम है तथा वह कितने पत्र प्रमाण है?

(ङ) गुलाब सति कहाँ दिवंगत हुई? आचार्यश्री मघवा ने उनके पश्चात किसे महासति बनाया?

आचार्य श्री माणकगणी (कोई तीन प्रश्न के उत्तर दें)

(छ) जयाचार्य ने मुनि माणक को अग्रणी कब बनाया?

(ज) जयपुर में कौन से यतिजी से माणकगणी का संपर्क हुआ?

(झ) श्रमण प्रतिक्रमण के आदेश के पश्चात बालक माणक ने किसका त्याग किया?

(ञ) माणक गणी दिवंगत हुए उस समय संघ में कितने साधु–साध्वियाँ विद्यमान थे?

आचार्य श्री डालगणी (कोई चार प्रश्न का उत्तर दें)

(ठ) माता जडावांजी की दीक्षा के कितने समय पश्चात बालक डालचन्द ने संयम ग्रहण किया? उस समय उनकी उम्र कितनी थी?

(ढ) डालमुनि दोहे, श्लोक, ढ़ाल, व्याख्यान आदि को लिखने से अधिक अपनी स्मृति में सुरक्षित रखते थे। उन्होंने राजस्थानी भाषा की किस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया?

(ण) देवरिया में मुनि डालचन्दजी तथा स्थानकवासी संप्रदाय के मुनि प्रतापजी के बीच हुए शास्त्रार्थ का क्या विषय था तथा उसमें डालमुनि ने किसे टोका या झिड़का था?

(त) कच्छ की तीसरी यात्रा के समय जब मुनि डालचन्दजी आये थे तब कितने संत थे तथा वापस पधारे थे तब कितने संत थे?

(थ) सं. 1958 में बीदासर से बेनाथा विहार कर जाने वाली 9 साध्वियों में से कितनी साध्वियाँ दिवंगत हो गई? क्यों?

आचार्यश्री मघवागणी – 21

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) तेरापंथ में युवाचार्य–पद की नियुक्ति को द्वयांगी क्यों कहा गया है?

(ख) जयाचार्य द्वारा मुनि मघवा के लिये 'पंडित' शब्द के प्रयोग से पूर्व ही संतों द्वारा उन्हें यह उपाधि दे दी गयी थी। इससे संबंधित दोहा 'अथवा' घटना संक्षेप में लिखें।

(ग) मुनि–जीवन में प्रविष्ट होने वाले प्रतिबद्ध व्यक्ति कितने प्रकार के होते हैं?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 6

(क) तिल, मस अरू भंवरी लसुन होत जीवणै अंग।
चल्यो जाय पर द्वीप में, लक्ष्मी तजै न संग।।
जयाचार्य ने यह दोहा किस संदर्भ में फरमाया था?

(ख) ''दूसरे का व्यवहार कैसा रहा – यह हम क्यों सोचें? हम तो मुख्यतः अपने व्यवहार के विषय में ही सोचना चाहिये।'' मघवागणी ने यह बात किस घटना के संदर्भ में कही?

प्र.4 आचार्य मघवागणी के शासनकाल को पाचनकाल कहा जाता है स्पष्ट करें। 10

अथवा

थली में तेरापंथ के प्रचार–प्रसार में आचार्यश्री मघवा का योगदान अविस्मरणीय है। कैसे?

आचार्य श्री माणकगणी – 17

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) नव–नियुक्त युवाचार्य माणक द्वारा आचार्यश्री को प्रथम बार वंदन करने के दृश्य को अपने शब्दों में संक्षेप में बतायें।

(ख) आचार्यश्री भारमलजी से आचार्यश्री माणक लालजी तक के सभी आचार्यों का युवाचार्य काल लिखें।

(ग) आचार्यश्री माणक लालजी के बाह्य व्यक्तित्व को संक्षेप में बतायें।

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 12

(क) मुनिश्री चिरंजीलाल का वैराग्य पक्का था। (मजीठा रंग था)। इसे सिद्ध करने वाला उनके जीवन का प्रसंग बतायें।

(ख) आचार्यश्री मघराजजी द्वारा अपने अन्तिम समय में युवाचार्यश्री माणकलालजी को दी गई शिक्षाओं को लिखें।

(ग) आचार्यश्री माणकलालजी को उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए किसने व कैसे निवेदन किया? माणकगणी ने उसका क्या उत्तर दिया।

आचार्यश्री डालचन्दजी – 21

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) आचार्यश्री डालचन्दजी ने साध्वीश्री खुमाणांजी का सिंघाडा क्यों तोड़ा?

(ख) श्रीचन्दजी गधैया की पत्नी कुनणी बाई ने किस चीज़ की भावना मुनिश्री मगनलालजी को बताई? श्रीचन्दजी ने इस पर उन्हें क्या कहा?

(ग) मेघराजजी आंचलिया द्वारा ग्रहण किये गये नियमों में से कोई तीन व्रत लिखें।

प्र.8 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) 'डालमुनि द्वारा की गई 'खरी कमाई की पडत' आज भी संघ भंडार में सुरक्षित है।' – संबंधित घटना लिखें।

(ख) 'माणकगणी के दिवंगत हो जाने पर अनेक कार्यों को स्थगित कर दिया गया।' वे कार्य कौन–कौन से थे।

प्र.9 'आचार्यश्री डालचन्दजी जितने बाहर से कठोर थे, उतने ही अन्दर से कोमल थे।' घटनाओं के माध्यम से कथन को सिद्ध करें। 10

अथवा

अन्तरिम काल की व्यवस्थाओं को सविस्तार बतायें।

तुलसी प्रबोध

प्र10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें – 12

(क) अतरंग संघर्ष वाला पद्य।

(ख) मोहनलालजी (भाई) द्वारा वैराग्य की परीक्षा वाला पद्य।

(ग) तुलसी की पोसाल वाला पद्य।

प्र11 कोई तीन पद्यों के पूर्ति करें। 9

(क) महाराज गंगासिंहजी.....अवसर अवधार हो।।

(ख) मुनि तुलसी.....सति कानकुमार हो।।

(ग) यात्रा री शुरूआत.....वन्दनवार हो।।

(घ) हरियाणै पावस्.....दुर्नय हरणार हो।।

तेरापंथ प्रबोध

प्र12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) नान्ही वय में.....सिमट्यो परिवार हो।।

(ख) उतरै आज बुखार.....सहकार हो।।

(ग) सार्वभौम सिद्धान्त.....निखार हो।।

(घ) संत खेतसी बोल्या.....बार हो।।